हरियाणा के घूमर नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति से झूम उठे दर्शक

❒ हरियाणा के अनोखे पारंपरिक लोक नृत्य से कलाकारों ने मोहा दर्शकों का मन

❒ होली, गणगौर पूजा और तीज त्यौहारों के अवसर पर किया जाता है घूमर नृत्य

रायपुर (आरएनएस)। राजधानी रायपुर के साइंस कॉलेज स्थित मैदान में आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव एवं राज्योत्सव के अंतिम दिन हरियाणा के लोक कलाकारों ने घूमर नृत्य की प्रस्तुति सहित दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। घूमर नृत्य हरियाणा का एक अनोखा पारंपरिक लोक नृत्य है। नर्तक दल के लीडर सुनील कौशिक ने बताया कि यह नृत्य राज्य के पश्चिमी हिस्सों में लोकप्रिय है। इस नृत्य में नृत्यांगनाओं के वृत्ताकार आंदोलन इस नृत्य को अलग पहचान देते हैं। आमतौर पर राज्य के सीमा क्षेत्र की लड़कियां घूमर का प्रदर्शन करती हैं। नर्तक, जो एक परिपत्र मोड लेते हैं और ताली बजाने और गाने के बारे में आगे बढ़ते हैं, इस नृत्य का प्रदर्शन करते हैं। लड़कियाँ गाती हैं जब वे एक घूमने वाले आंदोलन में नृत्य करती हैं और संगीत के गति के रूप में लड़कियों के जोड़े बढ़ते हैं और तेज़ी से और तेज़ी से घूमते हैं। साथ के गीत व्यंग्य, हास्य और समकालीन घटनाओं से भरे हुए हैं, जबकि नर्तक जोड़े में घूमते हैं। यह नृत्य होली, गणगौर पूजा और तीज जैसे त्योहारों के अवसर पर किया जाता है। यह भील जनजाति का लोक नृत्य है।यह नृत्य फसल की कटाई के समय किया जाता है।यह एक समूह नृत्य है ।यह नृत्य विशेष अवसर पर किया जाता है।यह नृत्य फसल कटाई के बाद, फसल अच्छे दामों पर बिकने बाद किया जाती है पत्नि अपने पति से विभिन्न तरीके से भिन्न-भिन्न वस्तुओं की मांग करती है और वार्तालाप के माध्यम से इस घुमर नृत्य को प्रस्तुत किया जाता है। इसी खुशी के अवसर पर यह नृत्य किया जाता है।

झारखंड की समृद्ध परंपरा नजर आई हो नृत्य में, प्रकृति के प्रति आस्था का प्रतीक है यह नृत्य : मांदर की थाप में प्रकृति के साथ सहभागिता दिखाने का अद्भुत नृत्य

राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव में पड़ोसी राज्य झारखंड के कलाकारों ने हो नृत्य के माध्यम से समां बांध दिया। झारखंड का यह नृत्य प्रकृति के प्रति लोगों की गहरी आस्था का प्रतीक है। हो नृत्य के माध्यम से जनजातीय कलाकार लोकजीवन की समृद्धि और उन्नति की कामना करते हैं। इस नृत्य में पुरुष कलाकारों ने श्वेत वस्त्र पहने थे और महिला कलाकारों ने झारखंड में प्रचलित साड़ी पहनी थी। सिर पर मोरपंख लगे थे और हाथों में मृदंग था। मांदर के थापों में नृत्यरत कलाकार प्रकृति की अद्भुत लय प्रस्तुत कर रहे थे। मांदर की थाप के साथ कलाकारों की पदचाप बहुत अच्छी लग रही थी। झारखंड के इन कलाकारों के वस्त्रों में रंग चटखीले नहीं थे लेकिन इन्हें पहनने का खास तरीका और कलाकारों की अद्भुत सजावट और स्थानीय आभूषण कलाकारों की कला की चमक में चार चाँद लगा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि झारखंड का लोकजीवन बहुत ही समृद्ध है और हो नृत्य के माध्यम से वहां की खास परंपराओं की झलक भी कलाकारों ने दिखाई। लोक कलाकार असम के बागदोई शीखला नृत्य प्रस्तुत कर रहे हैं। बोड़ो जनजाति कृषि आधारित विषय पर करते हैं। बाग दोई शीखला तीन शब्दों के मेल से बना है जिनमें ''बाग'' का अर्थ ''वायु, दोइ'' का अर्थ जल एवं शिख ला का अर्थ युवती होता है।

यह बोड़ो जनजाति का लोकनृत्य है, इसे पीढ़ी दर पीढ़ी बोड़ो जनजाति द्वारा प्रस्तुत किया जाता रहा है और इससे संबंधित संस्कारों को आगे बढ़ाया जा रहा हैं। यह नृत्य खास मौसम परिवर्तन पर प्रस्तुत किया जाता है। बैशाख के माह में यह नृत्य उत्सव करने प्रथा रही है। असम का यह लोकनृत्य जल और वायु के देवता की अराधना और भक्ति का प्रतीक है।

महत्वपूर्ण एवं खास

बदमाशों पर कार्यवाई करने पहुंची थी पुलिस की टीम, एसआई और टीआई पर हुआ हमला

जांजगीर चांपा (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के जांजगीर चांपा जिले में बदमाशों के हौसलें इस कदर बुलंद है कि बदमाशों पर कार्रवाई करने गई पुलिस की टीम पर आरोपियों ने लाठी और डंडे से हमला कर दिया। हमले में टीआई, एएसआई को चोट आई है। घटना के बाद दोनों घायल पुलिस अधिकारियों को बिलासपुर अस्पताल रेफर किया गया है। घटना पामगढ़ थाना क्षेत्र की है। मिली जानकारी के मुताबिक, आज सुबह साढ़े नौ बजे पामगढ़ थाना क्षेत्र के भैसों सेमरिया गांव में थाना प्रभारी सब इंस्पेक्टर ओपी कुर्रे और एएसआई शिव चंद्रा के साथ पुलिस की टीम वारंटी बदमाश और शराब तस्करों को पकड़ने गई थी। इस दौरान शराब तस्करों ने पुलिस को आता देख लाठी डंडो से ही उन पर हमला कर दिया। इस हमले में थाना प्रभारी ओपी कुर्रे और एएसआई को चोट लगी, जिससे उनके सिर से खून निकलने लगा। इस घटना के बाद पुलिस के आला अधिकारी मौके पर पहुंचे और घायल पुलिस अधिकारियों को पामगढ़ अस्पताल लाया गया। यहां से दोनों पुलिस अधिकारियों को बिलासपुर रिफर किया गया।

मुख्यमंत्री से राज्य बाल संरक्षण आयोग की नवनियुक्त सदस्य ने की सौजन्य मुलाकात

रायपुर (आरएनएस)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से आज यहां उनके निवास कार्यालय में छत्तीसगढ़ राज्य बाल संरक्षण आयोग की नवनियुक्त सदस्य संगीता गजभिये ने सौजन्य मुलाकात की। मुख्यमंत्री बघेल ने गजभिये को हार्दिक बधाई देते हुए पदेन दायित्वों के कुशलतापूर्वक निर्वहन के लिए शुभकामनाएं दी।

नक्सलियों के जलाये गये वाहन की क्षतिपूर्ति राशि स्वीकृत

कांकेर (आरएनएस)। मेसर्स सोनी कंस्ट्रक्शन, आर्य नगर कोहका भिलाई के वाहनों को नक्सलियों द्वारा जलाये जाने के प्रकरण में कलेक्टर डॉ. प्रियंका शुक्ला द्वारा क्षतिपूर्ति राशि स्वीकृत किया गया है। नक्सलियों द्वारा जलाये गये वाहन पानी टैंकर क्रमांक सीजी 17 एच 0458 के लिए 02 लाख रुपये, जेसीबी सीजी 07 सीई 3240 हेतु 03 लाख रुपये, वाईब्रो रोलर सीरियल नंबर एफ30000360 इसकोर्ट कम्पेक्टर 5250 एसटीडी हेतु 03 लाख रुपये तथा 02 नग मिक्सर मशीन को जलाये जाने का क्षतिपूर्ति राशि 40 हजार रुपये स्वीकृत किया गया है।

केशकाल घाट में आज से 11 तक भारी वाहनों का आवागमन रहेगा प्रतिबंधित

कांकेर (आरएनएस)। केशकाल घाट में पेच रिपेयर का कार्य 04 नवम्बर से 11 नवम्बर तक किया जायेगा। उक्त अवधि में केशकाल घाट में यात्री बसों एवं छोटी चार पहिया वाहनों को छोडक़र भारी वाहन माल वाहकों को केशकाल घाट में प्रतिबंधित किया गया है। भारी माल वाहकों के लिए वैकल्पिक मार्ग के रूप में केशकाल-विश्रामपुरी चौक से व्हाया विश्रामपुरी, बोरई, सिहावा, नगरी होते हुए धमतरी व रायपुर पहुंचा जा सकता है। इसके अलावा एक अन्य वैकल्पिक मार्ग कांकेर जिले के माकड़ी ढाबा के पास से कोरर, भानुप्रतापपुर, अंतागढ़ एवं नारायणपुर होते हुए वाहन कोण्डागांव को निकलेगी।

गंगामुंडा तालाब में डूबने से 1 की हुई मौत

जगदलपुर (आरएनएस)। शहर के गंगामुंडा तालाब में नहाने के लिए गया एक अधेड़ की डूबने से मौत हो गई। बोधघाट पुलिस को सूचना मिलने पर तत्काल घटना स्थल पहुंच कर खोताखोर की मदद से शव को तालाब के पानी से बाहर निकाला गया। पुलिस ने बताया कि मृतक शांति नगर निवासी सालिकराम नहाने के लिए गंगामुंडा में गया था। शव को बाहर निकालते के बाद पोस्ट मार्टम के लिए मेडिकल कॉलेज डिमरापाल में भेज दिया गया है।

राज्योत्सव में पशुधन विकास विभाग के स्टाल पर नर्सरी के नन्हें बच्चों के गूंजे सवाल

❒ गोधन न्याय योजना के प्रति उत्सुकता देख पशुधन विकास विभाग के अधिकारी खुद बन गए शिक्षक

रायपुर (आरएनएस)। पेंसिल पकडऩा सीखने वाले नौनिहालों में उत्सुकता सबसे ज्यादा होती है। उनके प्रश्न अद्भुत होते हैं और यदि उन्हें सही जवाब न मिला तो वो तब तक सवाल पूछते हैं जब तक कि वो संतुष्ट ना हो जाएं। अक्सर माता-पिता या टीचर छोटे बच्चों के सवालों से झुंझला भी जाते हैं या जवाब पता न होने पर टाल देते हैं। लेकिन सही जवाब मिले तो बच्चों की उत्सुकता रोमांच में बदल जाती है और वो बहुत तेजी से सीखते हैं।

ऐसा ही कुछ हुआ राज्योत्सव के पशुधन विकास विभाग के स्टाल में। यहां पर नर्सरी के स्कूली बच्चों को स्टाल घुमाने लाया गया था। इन नौनिहालों को पशुधन विकास विभाग के द्वारा लगाया गया गोधन न्याय योजना का स्टाल इतना पसंद आया कि बच्चों के सवालों की बौछार शुरू हो गई। स्कूल के शिक्षकों को लगा की बच्चे परेशान कर रहे हैं तो उन्होंने बच्चों को चुप रहने की बात कही। लेकिन स्टाल में तैनात पशुधन विकास विभाग के अधिकारियों को इन मासूमों की उत्सुकता बेहत पसंद आई और इसे देखते हुए वहां मौजूद अधिकारी खुद शिक्षक बन गए। पशुधन विभाग के अधिकारियों ने न सिर्फ शिक्षक बन कर बच्चों के सवालों के जवाब दिए बल्कि बातों ही बातों को में पर्यावरण के प्रति जागरूकता और पशुधन से होने वाले लाभ के बारे में भी बच्चों को जागरूक कर दिया।

इन बच्चों को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निर्देशन में शुरू किए गए गोधन न्याय योजना के बारे में इतनी दिलचस्पी देख वहां के अधिकारी भी हैरान थे। हम सभी जानते हैं कि बालमन की उत्सुकता को शांत करना जरूरी है, इसीलिए वहां के अधिकारियों ने शिक्षक बनकर गोबर, गोमूत्र , वर्मी कंपोस्ट खाद ,आरगेनिक खेती, मुर्गी पालन व्यवसाय समेत गोबर से बनने वाले पेंट और गोमूत्र से तैयार कीटरोधी दवाइयों के बारे में सारी जानकारी दे डाली। हैरानी की बात ये रही कि बच्चे इन सारी जानकारियों के प्रति उत्सुक दिखे और ऐसा लगा ही नहीं कि पशुधन विकास विभाग के अधिकारी नर्सरी के बच्चों को कुछ बता रहे हैं।

हमारे सुआ नृत्य की तरह ही उत्तरप्रदेश में होता है झींझी नृत्य

रायपुर (आरएनएस)। दीपावली के शुभ अवसर पर छत्तीसगढ़ में महिलाएं घर-घर जाकर सुआ नृत्य करती हैं उसी प्रकार उत्तर प्रदेश में थारू जनजाति भी झींझी देवी की आराधना में ऐसा नृत्य क्वांर और भादो के महीने में करती हैं। नई फसल आने के तुरंत बाद महिलाएं झींझी नृत्य करने घर घर जाती हैं। उनके सिर में कलश होता है और हाथों में दान लेने के लिए टोकरी। फिर सुआ गीत की तरह ही सुंदर गीत प्रस्तुत करती हैं और सुंदर झींझी नृत्य भी। बिल्कुल चटख रंगों के साथ और स्थानीय थारू आभूषणों के साथ उनकी साजसज्जा दर्शकों को चकित कर देती है। इसके बाद परंपरा अनुरूप झींझी का विसर्जन नदी में किया जाता है।

इस सुंदर नृत्य को देखकर बहुत से लोगों ने इसकी तुलना छत्तीसगढ़ के सुआ नृत्य से की और दोनों में जो अंतर हैं उनके बारे में चर्चा करने लगे। राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव के माध्यम से देश भर में चर्चित नृत्य के रूपों को दिखाने का शानदार मंच रायपुर में लोक कलाकारों को मिला है। इनमें से बहुत से नृत्य हमारी समृद्ध कृषक संस्कृति को दिखाते हैं। हमारी कृषक संस्कृति में श्रम के साथ दानशीलता की भी सुंदर परंपरा है। यह सुंदर परंपरा सुआ नृत्य में भी देखने को मिलती है और झींझी नृत्य में भी।

कोंकण की संस्कृति की झलक दिखी कुनबी नृत्य में, सादे वस्त्रों में सुरुचिपूर्ण नृत्य

रायपुर (आरएनएस)। पांच शताब्दियों से अधिक पुर्तगाली प्रभाव के बावजूद गोआ के लोगों ने अपनी परंपरा सहेज कर रखी है और इसे खूबसूरत तरीके से प्रस्तुत कर रहे हैं। राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव में आज कोंकण क्षेत्र में प्रचलित कुनबी नृत्य का प्रदर्शन किया गया। इस कुनबी नृत्य में महिलाओं ने कृषि संस्कृति से जुड़ी दिनचर्या प्रदर्शित की। इस नृत्य की विशेषता इसकी द्रुत गति है। यह नृत्य कुछ ऐसा है जिसमें कलाकार अपनी दिनचर्या के कामों को नृत्य के माध्यम से प्रस्तुत कर रहे हैं। इसमें वे खासी रुचि लेते हुए अपने काम में आनंद ले रहे हैं। इसके साथ ही इन कलाकारों की साजसज्जा भी खास दिख रही है। कोंकण क्षेत्र में प्रचलित वेणी और

श्रृंगार को उन्होंने प्रदर्शित किया है। कोंकण क्षेत्र में प्रचलित वाद्ययंत्रों के साथ इन नृत्यों की सुंदर प्रस्तुति दी गई। वाद्ययंत्रों की धुनों में कलाकारों ने सुंदर प्रस्तुति दी। राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव के माध्यम से छत्तीसगढ़ में देश के विविध प्रांतों के लोकनृत्यों का सुंदर वैविध्य एक ही स्थान पर नजर आ रहा है और लोग इसे काफी रुचि से देख रहे हैं।

बीई कर छत्तीसगढ़ मटपरई भित्ति शिल्पकला को नए अयाम दे रहे अभिषेक

❒ राज्योत्सव में स्टाल लगाकर लोगों को भित्ति शिल्पकला के क्षेत्र में कर रहे जागरुक

❒ अपने हुनर से पारंपरिक शिल्पकला को दे रहे हैं नई पहचान

रायपुर (आरएनएस)। मटपरई भित्ति शिल्प कला के प्रति जागरूकता जरूरी है। इससे वे अपनी संस्कृति से भी जुड़ेंगे। अपने अंदर के हुनर को निखारने का अवसर भी मिलेगा। ये बातें पुराना बस स्टैंड डुमरडीह निवासी अभिषेक सपन ने छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा आयोजित राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य एवं राजोत्सव 2022 के आयोजन स्थल

में लगे स्टाल में कही।

उन्होंने कहा कि इस तरह की प्रदर्शनी से लोगों में भी कला सीखने की ललक जागती है। उनके अंदर भी जागरूकता आयेगी और वे इस क्षेत्र में भी रोजगार पा सकेंगे। उन्होंने बताया कि वे बीई किए है, वे अपने पूर्वजों द्वारा बताए गए शिल्पकला को सहेजने का प्रयास कर रहे है। इसे वे अपने जीवन में रोजगार के रूप में भी अपना रहे हैं। आगे चलकर भी इसी दिशा में वे काम करेंगे।

विलुप्त हो चुकी कला को जीवंत कर रहे

अभिषेक सपन छत्तीसगढ़ के एकमात्र कलाकार है, जिन्होंने विलुप्त हो चुकी मटपरई कला को जीवंत कर मटपरई कला को बना रहे है तथा जनमानस तक पहुँचने की कोशिश कर रहा है। मटपरई कला के माध्यम से छत्तीसगढ़ की संस्कृति लोकनृत्य, लोककथा, लोककहानी, लोक परंपरा, तीज त्यौहारो, पशु पक्षी, देवी देवताओं की कृति अपनी कल्पनाशीलता से बना रहा है।

ऐसे तैयार करते है मटपरई भित्ति शिल्पकला

मट-मिट्टी, परई कागज व खल्ली की लुगदी। सभी को वस्तुओं सड़ा कर बनाई गई कला मटपरई कला कहलाती है। छत्तीसगढ़ की प्राचीन कला है, जिसे बड़े बुजुर्गो द्वारा बनायी जाती थी। परंतु वर्तमान में ये कला विलुप्त हो गई है। हमारी युवा पीढ़ी छत्तीसगढ़ की कला व संस्कृति को राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर में पहुँचाने का प्रयास कर रहे है।

पुलिस-नक्सली मुठभेड़ की दण्डाधिकारी जांच के लिए जांच अधिकारी नियुक्त

कांकेर (आरएनएस)। थाना सिकसोड़ क्षेत्र अंतर्गत ग्राम मेटाबोदेली और कड़में के बीच जंगल में पुलिस-नक्सली मुठभेड़ घटना में दो नक्सलियों के मृत्यु की निष्पक्ष जांच, गंभीरता एवं आवश्यकता को देखते हुए कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी डॉ. प्रियंका शुक्ला द्वारा एसडीएम अंतागढ़ के.एस. पैकरा को जांच अधिकारी नियुक्त किया गया है, जो 15 दिवस के भीतर अपना जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत करेंगे।

जांच अधिकारी एसडीएम के.एस. पैकरा द्वारा पुलिस-नक्सली मुठभेड़ के घटना की पृष्ठभूमि, घटना में शामिल सशस्त्र बलों का सर्चिंग अभियान हेतु विभागीय आदेश, निर्देश, दिनांक 31/10/2022 की घटना क्या वास्तव में सशस्त्र नक्सलियों द्वारा नियोजित घटना थी? क्या मृतक माओवादी नक्सली मुठभेड़ के दौरान पुलिस बल के द्वारा आत्मरक्षार्थ चलाये गये जवाबी फायरिंग में मारे गये हैं? मारे गये अज्ञात नक्सलियों की पहचान, परिचय, अपराध वृतांत इत्यादि की जांच की जायेगी। शल्य चिकित्सकों द्वारा किये

गये पोस्टमार्टम में पाये गये मौत का आधारभूत कारक, कारण की तथ्यात्मक जांच, उक्त घटना का मुठभेड़ में पुलिस बल, आम नागरिकों के हताहतों अथवा अन्य जन-धन-बल की हानि व मौके पर स्थल निरीक्षण के दौरान पाये गये जप्त सामाग्रियों का विवरण एवं आसपास के ग्रामीणों की गवाह, साक्ष्य, अभिमत इत्यादि, पुलिस थाना सिकसोड़ में दर्ज की गई एफआईआर, पुलिस विवेचना व अभिमत और सुसंगत धाराओं का संक्षिप्त विवरण सहित जांच के दौरान अधिकारी को प्राप्त अन्य तथ्यात्मक जानकारी जो घटना के लिए प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से महत्वपूर्ण हो और जिसका उल्लेख महत्वपूर्ण हो, जांच प्रतिवेदन में उल्लेख करते हुए कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी को प्रस्तुत की जायेगी।

छत्तीसगढ़िया ओलंपिक : छत्तीसगढ़ के पारंपरिक खेल हमारी महत्वपूर्ण धरोहर - राजस्व मंत्री

कोरबा (आरएनएस)। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने कहा है कि छत्तीसगढ़ के पारंपरिक खेल हमारी महत्वपूर्ण धरोहर है, हमारी संस्कृति के एक महत्वपूर्ण अंग है, इन्हें सरक्षित करने, सहेजने एवं इन खेलों को बढ़ावा देने के लिए राज्य शासन द्वारा प्रदेश के ग्रामीण व नगरीय क्षेत्रों में छत्तीसगढिय़ा ओलंपिक कराने का जो निर्णय लिया गया है, वह राज्य की संस्कृति एवं यहॉं की धरोहरों के संरक्षण के प्रति हमारी सरकार के मजबूत इरादों को प्रदर्शित करता है। उन्होने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के मार्गदर्शन में हमारी सरकार ने विगत 03-04 वर्षो में इसी तरह के अनेक कदम उठाएं हैं, जिससे राज्य की लोकसंस्कृति, यहॉं की परम्पराएं व धरोहरें सरक्षित व संवर्धित हो रही है।

उक्त बातें राजस्व मंत्री अग्रवाल ने बालको में आयोजित कलस्टर स्तरीय छत्तीसगढिय़ा ओलंपिक खेलों के शुभारंभ अवसर पर कही। यहॉं ज्ञातव्य है कि छत्तीसगढ़ के पारंपरिक खेलों को बढ़ावा देने एवं इनके प्रति लोगों में जागरूकता लाने हेतु राज्य के नगरीय व ग्रामीण क्षेत्रों में छत्तीसगढिय़ा ओलंपिक आयोजन किया जा रहा है। नगर पालिक निगम कोरबा क्षेत्र में बुधवार से कलस्टर स्तरीय खेल प्रतियोगिताएं प्रारंभ की गई हैं। बालकोनगर स्थित डॉ.भीमराव अंबेडकर स्टेडियम में बुधवार को राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने बालको कलस्टर की खेल प्रतियोगिताओं का विधिवत शुभारंभ कराया, इस मौके पर कार्यक्रम की अध्यक्षता निगम के महापौर राजकिशोर प्रसाद के द्वारा की गई, वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में सभापति श्यामसुंदर सोनी के साथ ही एम.आई.सी.सदस्यगण, पार्षद व एल्डरमेनगण उपस्थित थे। इस मौके पर राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने खिलाडिय़ों से परिचय प्राप्त किया, टॉस किया तथा अपनी उपस्थिति में कबड्डी प्रतियोगिता का शुभारंभ कराया। उन्होने विभिन्न विधाओं के खिलाडिय़ों को बधाई व शुभकामनाएं दी तथा टीम भावना के साथ खेल खेलने को कहा।

कबड्डी टीमों को 11-11 सौ रूपये का पुरस्कार - राजस्व मंत्री अग्रवाल की उपस्थिति में वार्ड क्र. 32 से वार्ड क्र. 44 तक के खिलाडिय़ों के बीच कबड्डी मैच का आयोजन किया गया। राजस्व मंत्री अग्रवाल ने कबड्डी की दोनों टीमों को 1100-1100 रूपये का नगद पुरस्कार प्रदान किया, आयोजन के दौरान विभिन्न विधाओं की खेल प्रतियोगिताएं भी आयोजित हुई, इन पारंपरिक खेल प्रतियोगिताओं का आनंद उपस्थित अतिथियों एवं आमनागरिकों ने लिया।

इन खेल विधाओं पर आयोजित हो रही प्रतियोगिताएं - छत्तीसगढ़ के पारंपरिक खेलों को इन प्रतियोगिताओं में शामिल किया गया है, इन खेल विधाओं की संख्या 14 है, जिन पारंपरिक खेल विधाओं पर प्रतियोगिताएं आयोजित हो रही हैं, उनमें गिल्ली डंडा, पि_ूल, संखली, लंगड़ी दौड़, कब्बड़ी, खो-खो, रस्सा कसी, बांटी (कंचा), बिल्लस, फुगड़ी, गेड़ी दौड़, भवरा, 100 मीटर दौड़, लम्बी कूद आदि खेल सम्मिलित हैं।

SJU - Contact No. +91 9301915303 E-mail ID- sjunion29@gmail.com

Social Justice Union

Registered with Govt. No. 5526

Join SJU

अधिकार से न्याय तक

आवश्यकता
इस संघ का गठनसम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं0 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं लीगल एडवाईज़र श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवक्ता, माननीय उच्च-न्यायालय), एवं गवर्निंग बोर्ड के सदस्यों कु0 सी.वी.वर्मा, श्रीमती ऐकता श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी ठाकुर्डे एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के पास सामाजिक अन्याय अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जावेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य हाथ में लेकर बेसहारा, गरीब, परित्यक्ता, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जावेगा।

उद्देश्य एवं नियुक्तियां
मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता पैदा करना है। संघ साक्षरता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जावेगी, और उनमें संघ के द्वारा आधिकारिक नियुक्तियाँ की जावेंगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तों का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।

मुख्य बिन्दु
प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जावेगी।

पीड़ित संपर्क करें
संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

अन्य बिन्दु
- संघ पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यावरण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश में महिलाओं के अधिकार, श्रमिकों के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अनुसूचित जाति जनजातियों के अधिकारों के सम्बंध में विधिक एवं संवैधानिक नीति के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जावेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को उसके कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में सचेत किया जावेगा। न्याय प्राप्ति हेतु हर संभव मदद की जावेगी।
- संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अतः शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन तक पीड़ित की परेशानी को आसानी से पहुँचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहायता भी करेगा।
- संघ द्वारा संवैधानिक शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित रिसर्च कार्यक्रम किए जावेंगे, एवं समान उद्देश्यों वाली अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जावेगा।
- संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के मूले बिसरे पर महान विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित करायेगा।

पढ़िए .... न्यायसाक्षी समाचार-पत्र

:: Address :: Behind Stadium Near Career School, Raigarh, C.G. Pin 496001

www.nyaysakshi.com

सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।

Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU